Student Name: Ravi Raaz
Topic: सत्यनिष्ठा
Date: 08/07/2025

IAS Mentorship
With Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

Q. "सत्यनिष्ठा एक ऐसा मूल्य है जो मनुष्यों को सशक्त बनाता है।" उपयुक्त उदाहरणों सहित औचित्य सिद्ध कीजिए।

C.S लुईस के अनुसार – "सत्यनिष्ठा तब भी सही काम करना है जब आपको कोई नहीं देख रहा हो।"

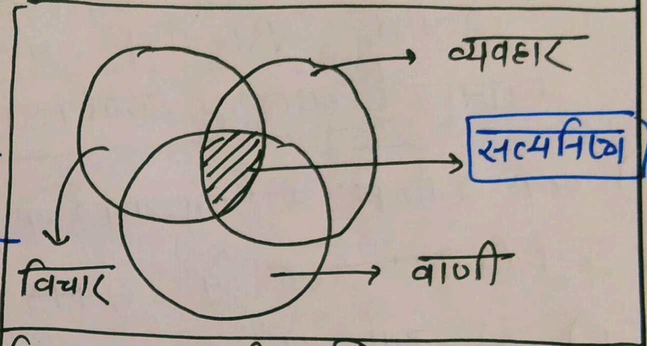

चित्र.01 सत्यनिष्ठा के घटक

(क) मनुष्य को सशक्त बनाने में सत्यनिष्ठा का महत्व :–

(1) दूसरों के विश्वास की प्राप्ति में सहजता।

उदा. तमिलनाडु के IAS 'यू सुगायन' के द्वारा अपनी वित्तीय जानकारी को सार्वजनिक किया जाना फलतः जनता के बीच ईमानदारी की छवि।

(2) हितों के टकराव का समाधान कर अपने पक्ष को मजबूत करने में सहायक।

उदा. इन सदस्यों का UPSC साक्षात्कार प्रक्रिया से स्वयं को अलग कर नैतिकता का परिचय दिया जाना जिनके परिचित साक्षात्कार में शामिल होने वाले हैं।

(3) उच्च पेशेवर मानदण्ड की स्थापना में सहायक।

उदा. A.P.J अब्दुल कलाम के द्वारा राष्ट्रपति

भवन में अपने परिवार के खर्च का वहन किया जाना 'पेशेवर सत्यनिष्ठा' को प्रदर्शित करता है।

(4) अपने 'सिद्धांतों' व 'मूल्यों' पर अडिग रहने में सहायक।

(उदा.) महात्मा गांधी द्वारा चौरा-चौरी कांड के पश्चात असहयोग आंदोलन को वापस लिया जाना 'बौद्धिक सत्यनिष्ठा' को ही दर्शाता है।

(5) जन स्वीकृति के माध्यम से 'कर्तव्यपरायणता' को सुनिश्चित करने में सहायक।

(उदा.) 34 वर्षों में 57 ट्रांसफर के बावजूद IAS अशोक खेमका की गणना देश के सर्वाधिक योग्य व ईमानदारी के रूप में।

(6) विकास के लिए उपाय

- बचपन में अच्छी कहानियाँ सुनाया जाना।
- पाठ्यक्रम में आवश्यक सुधार।
- पेशेवर जीवन में मनोविज्ञान पर बल।
- सार्वजनिक जीवन में 'दण्ड व पुरस्कार' की नीति।

गौरतलब है कि सत्यनिष्ठा का मार्ग कठिन किंतु लाभकारी होता है 'संत ऑगस्टाइन' के शब्दों में — "सही-सही है बल्कि उसे कोई न कर रहा हो और गलत, गलत है बल्कि उसे सभी कर रहे हो"।

Student Name: RAVI RAAZ
Topic: ETHICS
Date: 09/07/2025

IAS Mentorship
By Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

Q. "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है, लेकिन सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक और भयानक होता है" - इस कथन से आप क्या समझते हैं? आधुनिक परिप्रेक्ष्य से उदाहरणों सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

महात्मा गांधी ने **चरित्ररहित ज्ञान** को 22 अक्टूबर 1925 को प्रकाशित 'यंग इण्डिया' के एक लेख में सात पापों में से एक बताया है जो सत्यनिष्ठा तथा ज्ञान के बीच की संबंध को भलीभाँति स्पष्ट करता है-

* ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा का अर्थविहीन होना :-

1. समाज में व्यापक परिवर्तन लाने में अक्षम।
   - ज्यादातर आम लोग
2. व्यक्तिगत प्रगति की संभावना भी अत्यंत निम्न।
   - किसी भी कार्यालय के अधिकांश कनिष्ठ अधिकारी

गांधी के सात पाप
1. सिद्धांतविहीन राजनीति
2. सदाचाररहित व्यापार
3. परिश्रमरहित आजीव
4. चरित्र रहित ज्ञान
5. मानवता रहित विज्ञान
6. त्याग रहित धर्म
7. विवेकरहित सुख

* सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान का खतरनाक व भयानक होना -

1. साईबर फ्रॉड व ठगी की घटनाओं में वृद्धि।

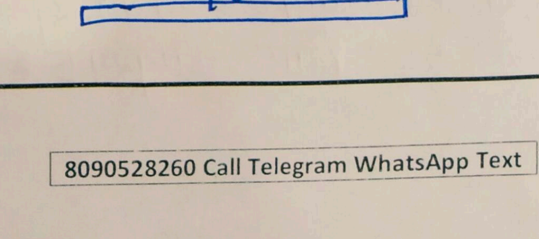

8090528260 Call Telegram WhatsApp Text

(उदा॰) हाल ही में गौरव अग्रवाल नामक एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को 750 cr. रुपय के साइबर फ्रॉड के मामले में गिरफ्तार किया जाना।

(2.) आतंकी गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा।

(उदा॰) आतंकी 'याकूब मेनन' का पेशे से C.A होने के बावजूद 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट का प्रमुख योजनाकार होना। जो एक प्रकार के बौद्धिक पाखंड का उदाहरण।

(e.g.) ज्ञान व सत्यनिष्ठा के सही संतुलन से होने वाले लाभ :-

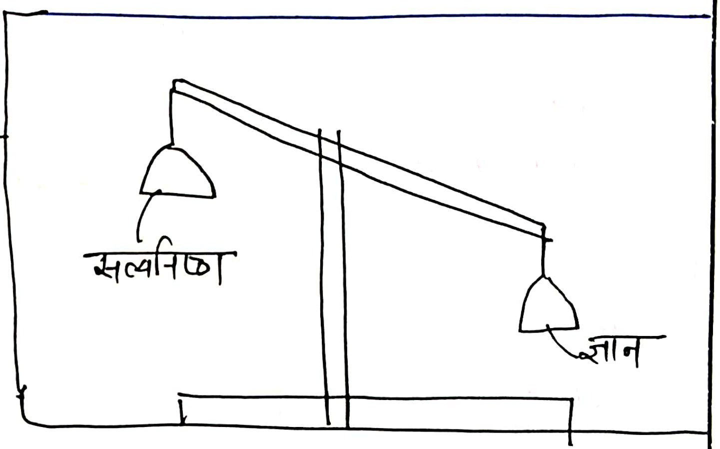

1. राष्ट्र की प्रगति में सहायक -
   (e.g) A-P-J अब्दुल कलाम
2. समावेशी विकास को यथार्थ रूप देने में सहायक
   (उदा॰) पी-नरहरि का 'बाधामुक्त' कार्यक्रम
3. व्यक्तिगत उत्थान व आत्मसंतोष की प्राप्ति में सहायक
   (e.g) टी.एन. शेषन

अब्दुल कलाम के शब्दों में - "भारत के पास गाइडेड मिसाइल तो है किंतु मिस गाइडेड ह्यूमन being भी हैं। ऐसे में बचपन से ही ज्ञान व सत्यनिष्ठा का सही अनुपात का विकास, व्यक्तिगत व राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है।

ent Name: RAVI RAAZ
c:
e: 08/07/2025

IAS Mentorship
With Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

Q. "दूसरों से जो भी अच्छा है, उसे सीखो, लेकिन उसे अपने अन्दर लाओ, और अपने तरीके से उसे आत्मसात करो, दूसरों जैसा मत बनो"। स्वामी विवेकानंद इस कथन का आपके लिए क्या महत्व है?

स्वामी विवेकानंद का यह कथन 'मानकीय नीतिशास्त्र' के अंतर्गत 'सद्गुण नीतिशास्त्र' से अभिप्रेरित है जो नैतिकता के निर्धारण और व्यक्ति के विकास पर सद्गुणों पर बल देता है।

दूसरों की अच्छाइयों को अपने तरीके से आत्मसात करने का महत्व :-

→ (1.) अपनी परिस्थितियों के अनुरूप 'नीति निर्माण' तथा 'योजना प्रक्रिया' में उपयोगी।

e.g. सम्राट अशोक के द्वारा साम्राज्य की आवश्यकता के अनुरूप 'भेरीघोष' के स्थान पर 'धम्म घोष' की स्वीकृति।

→ (2.) राष्ट्र के बहुलवादी स्वरूप के अनुरूप शासन संचालन में सहायक।

e.g. भारत के संविधान के निर्माण में 60 देशों के संविधान का अध्ययन तथा इसके अनुरूप उपयुक्त संविधान का निर्माण (मूल अधिकार व मूल कर्तव्य का एक साथ प्रावधान)।

IAS Mentorship
By Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

(4.) नवाचार में उपयोगी

e.g. M.S DHONI के द्वारा विकेट कीपिंग के सैद्धांतिक पक्षों को अपनी क्षमताओं के अनुरूप आत्मसात किया गया।

(5.) मौलिकता को बनाए रखने तथा निरंतर प्रगति में सहायक।

e.g. बिहार के 'पेयजल योजना' से प्रेरित होकर भारत सरकार के द्वारा 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत।

* कभी-कभी दूसरों का अनुकरण करना भी उपयोगी होता है यथा-

(1.) आर्थिक प्रगति में सहायक।
e.g. U.S.S.R की नई आर्थिक नीति (1921) के तर्ज पर भारत का LPG रिफॉर्म (1991)।

(2.) नए कीर्तिमानों की स्थापना।
e.g. 'हर्शल गिब्स' से प्रेरित होकर युवराज सिंह के द्वारा एक ही ओवर की 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाया जाना।

(3.) प्रशासनिक प्रणालीगत सहजता।
e.g. केंद्र सरकार के 'Millet Mission' के तर्ज पर कई राज्यों के द्वारा 'मोटे अनाजों' के लिए मिशन की शुरुआत।

दूसरों की अच्छाईयों को अक्षरशः अपनाया जाना अथवा आवश्यक परिवर्तनों के साथ अपनाया जाना व्यक्ति अथवा संस्था विशेष की परिस्थितियों, क्षमताओं, सीमाओं और 'जरूरतों' पर निर्भर करता है।

Student Name: Ravi Raaz
Topic:
Date: 09/07/2025

प्र. सिविल सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए —
(a) नैतिक सत्यनिष्ठा (b) हितों का टकराव (c) गुमनामी
(d) अंतःकरण की आवाज (e) सहिष्णुता

सिविल सेवा का मूल उद्देश्य 'संवैधानिक नैतिकता' को सुनिश्चित करना है इस क्रम में सिविल सेवकों के कुछ बुनियादी मूल्य व विशेषताएं बनाए गए हैं यथा —

(a) नैतिक सत्यनिष्ठा → सभी संभव नैतिक प्रतिमानों की स्थिति में विचार, वाणी व व्यवहार में पूर्ण सामंजस्य की स्थिति।

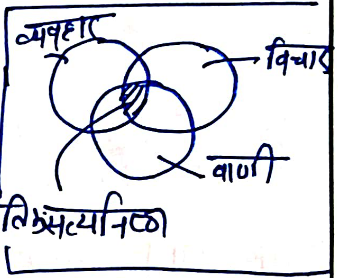

महत्व → 1. जनता के विश्वास की प्राप्ति
(e.g) क्राउड फंडिंग के माध्यम से 'आर्म स्ट्रॉंग पामे' द्वारा 100 km सड़क का निर्माण।
2. वरिष्ठ अधिकारियों व कनिष्ठों की सहायता।
(e.g) 'ई. श्रीधरन' द्वारा समय से पहले रेलवे निर्माण।

(b) हितों का टकराव: → एक ऐसी परिस्थिति जिसमें किसी व्यक्ति या संस्था के विभिन्न पक्ष यथा - निजी व पेशेवर के बीच स्पष्ट अथवा अस्पष्ट टकराहट हो

प्रासंगिकता
→ 1. समुचित न्याय हेतु इसका निपटारा आवश्यक'
(e.g) 'जस्टिस U.U ललित' के द्वारा स्वयं को राम मंदिर मामले से अलग करना

IAS Mentorship
By Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

2.) सेवाओं का वास्तविक लाभार्थियों के वितरण हेतु आवश्यक।

c.) गुमनामी :- पर्दे के पीछे रहकर अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन करना।

प्रासंगिकता
1. अनामिता सिविल सेवकों का सबसे मजबूत पक्ष (e.g) (प्रमोदी)
2. लोकतंत्र की भावना के अनुरूप -
▷ प्रतिबद्ध नौकरशाही की परिकल्पना।

d.) अंतःकरण की आवाज वह सहज नैतिक आदेश जो यह बताता है - कि क्या सही है? और क्या गलत? तथा जिसकी अभि-व्यक्ति स्वतः स्फूर्त होती है।

प्रासंगिकता
1. संवैधानिक या वैधानिक प्रावधानों तथा पूर्व उदाहरणों की अनुपस्थिति में निर्णयन में सहायक
▷ केशवानंद भारती वाद में SC द्वारा संविधान की आत्मा के सिद्धांत का प्रतिपादन

e.) सहिष्णुता अपने से सर्वथा भिन्न व विपरीत विचारों, मतों व व्यवहारों को धैर्य पूर्वक सहन करना व सही प्रतीत होने पर स्वीकार करना।

प्रासंगिकता
1. नए विचारों के विकास में सहायक
(e.g) बादशाह अकबर द्वारा 'इबादतखाने' का दरवाजा 1579 में सभी धर्मों के लिए खोला जाना।

उपरोक्त मूल्यों की प्रासंगिकता को देखते हुए चयन, प्रशिक्षण व सेवा काल के दौरान सिविल सेवकों की निगरानी तथा दण्ड व प्रोत्साहन की नीति उपयोगी होगी।

8090528260 Call Telegram WhatsApp Text